युद्ध और मटर

माइकल

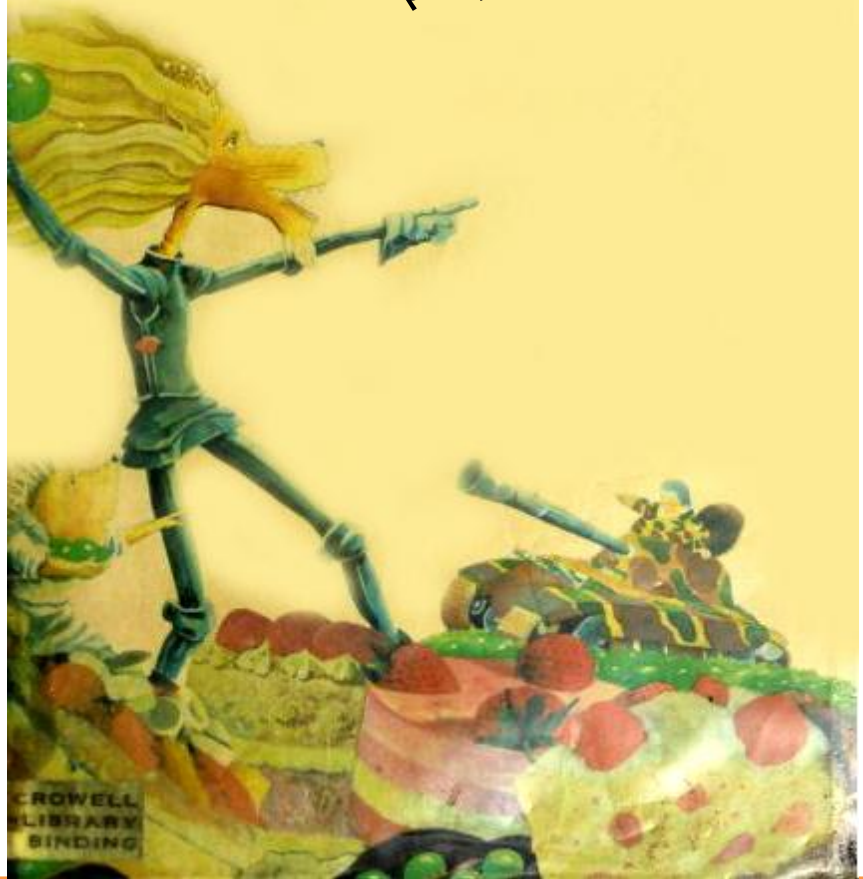

शेर राजा उदास था. उसके राज्य में सभी जानवर भूखे थे. लंबे अर्से से वहां कोई बारिश नहीं हुई थी. उससे सब पौधे मर गए थे और खाने को कुछ भी नहीं बचा था. लेकिन पास के राज्य में खाने का बहुत बड़ा भंडार था. शेर ने अपनी भूखी प्रजा के लिए पड़ोसी राजा से भोजन मांगने का फैसला किया.

यह पुस्तक वास्तव में विश्व शांति और अच्छी इच्छा के लिए एक दलील है.

छोटे पाठकों से लेकर सबसे बड़े पाठक भी इस पुस्तक को पढ़कर खुश होंगे - क्योंकि अंत में अच्छाई की जीत होगी.

युद्ध और मटर

माइकल

शेर राजा ने अपने देश में जो कुछ भी देखा उससे वे बड़े दुखी हुए. लंबे समय से वहां बारिश की एक बूँद तक नहीं पड़ी थी. उससे जमीन कठोर होकर सूखी गई थी. वहां कुछ भी नहीं ऊगा था. देश में खाने के लिए अब कुछ भी नहीं बचा था.

पक्षियों ने बीज इकट्ठा करने के लिए उड़ान भरी, और बड़े जानवरों ने नए पेड़ लगाने के लिए जमीन में गड्ढे खोदे.

पर पास के देश में बहुत भोजन था.
शेर राजा ने लोगों से कहा कि अब वे अब
अपने अमीर पड़ोसी से मदद माँगेंगे.

शेर ने साथ में अपने खाद्य मंत्री को लिया, जो कभी एक किराने की दुकान में काम करते थे. लंबी यात्रा के दौरान शेर ने अपने युवा मंत्री को वो तमाम कहानियां सुनाईं जब उनका देश दुनिया भर में फैला था, और जब जानवर जंगलों और घास के मैदानों में कहीं भी मुक्त घूम सकते थे. अंत में उन्हें पहाड़ी के परे पड़ोसी राज्य की सीमा दिखाई दी.

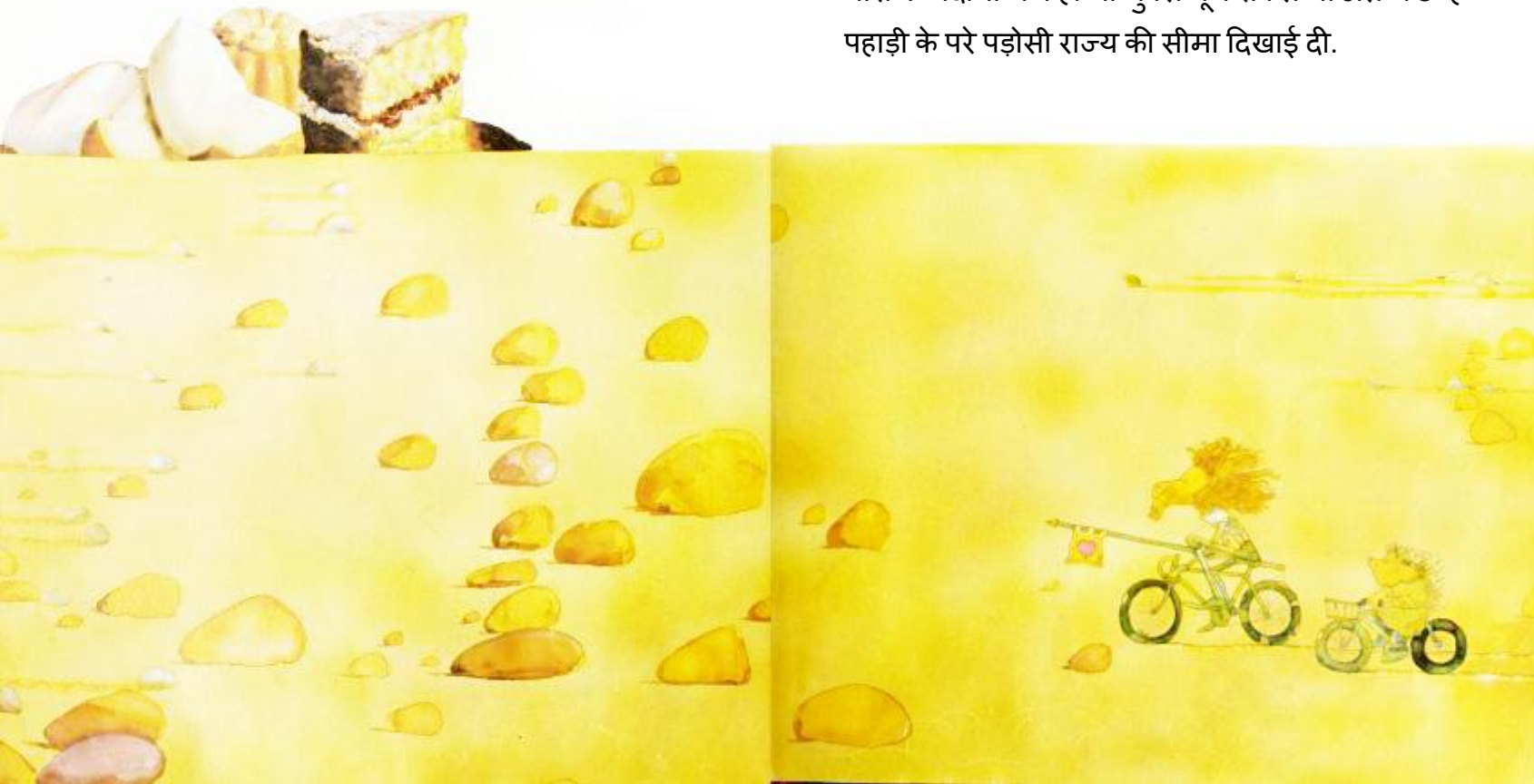

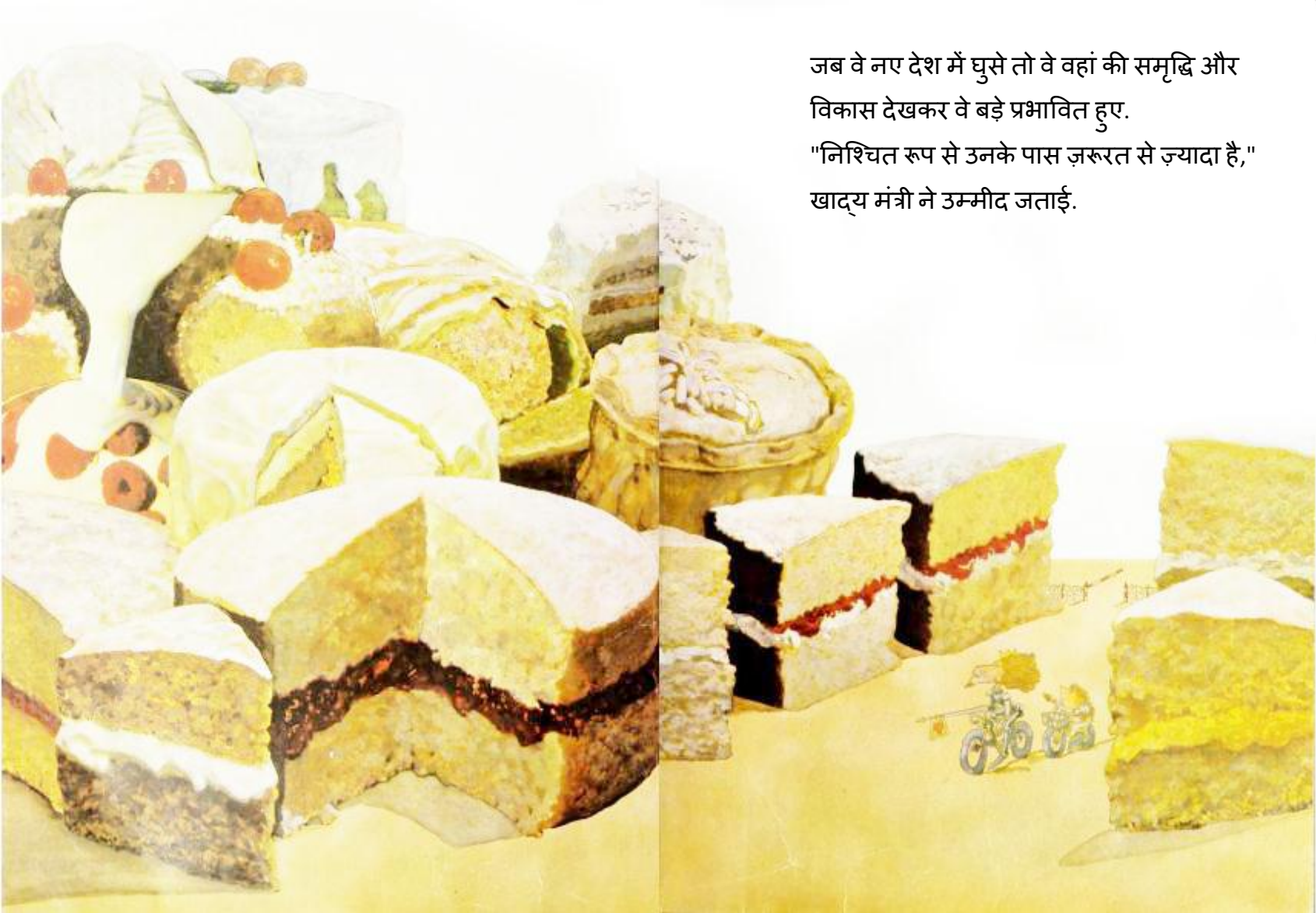

जब वे नए देश में घुसे तो वे वहां की समृद्धि और विकास देखकर वे बड़े प्रभावित हुए.
"निश्चित रूप से उनके पास ज़रूरत से ज़्यादा है," खाद्य मंत्री ने उम्मीद जताई.

अचानक शेर और खाद्य मंत्री को पड़ोसी देश के चौकीदारों ने पकड़ लिया और वे उन्हें शहर के मुख्य चौक पर ले गए.

वहाँ, अपने मोटे, खाए-पिए मंत्रियों के साथ वहां का राजा बैठा था. इतना गोल-मटोल आदमी शेर ने पहले कभी नहीं देखा था.

"मेरे देश में इन जानवरों के घुसने का क्या मतलब है?" मोटे राजा ने दहाड़कर कहा.

"महाशय, मैं खुद भी एक राजा हूं--" शेर ने बड़ी नम्रता से कहा.

"असम्भव!" मोटा राजा चिल्लाया. "तुम राजा बनने लायक नहीं हो - उसके लिए तुम बहुत पतले हैं. दोनों को तुरंत जेल में बंद करो!"

"अगर आपके पास कुछ अतिरिक्त भोजन हो, तो कृपा करके हमें दें," खाद्य मंत्री ने घबराकर कहा. "हमारे लोग भूख से मर रहे हैं."

"भिखारी हो तुम लोग?" मोटा राजा चिल्लाया. "हम तुम्हें अपना खाना क्यों दें? ऐसा करने में हमें बहुत ज्यादा परेशानी होगी."

"हम आपके यहाँ से खाना खुद ले जाएंगे," शेर ने कहा.

"डाकुओं!" मोटा राजा उन्हें देखकर चिल्लाया. "उन्हें गिरफ्तार करो! डकार!!! देखो इन लोगों से मिलकर मेरा पेट ख़राब हो गया है!"

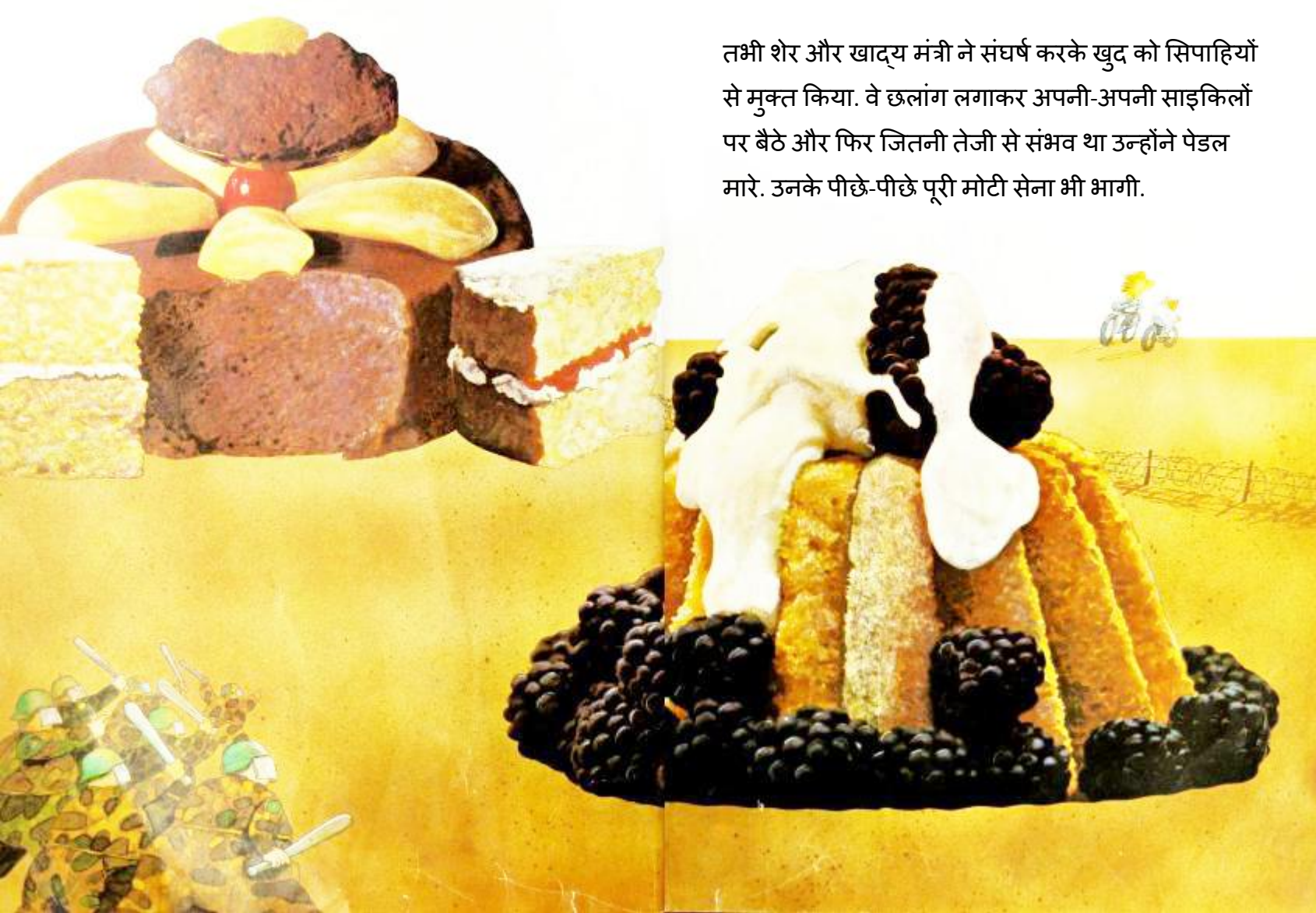

तभी शेर और खाद्य मंत्री ने संघर्ष करके खुद को सिपाहियों से मुक्त किया. वे छलांग लगाकर अपनी-अपनी साइकिलों पर बैठे और फिर जितनी तेजी से संभव था उन्होंने पेडल मारे. उनके पीछे-पीछे पूरी मोटी सेना भी भागी.

लेकिन राजा के सैनिक बहुत मोटे थे. टैंकों में बैठे सैनिक इतने मोटे थे कि ड्राइवरों के पास कोहनी हिलाने तक की जगह नहीं बची थी. इसीलिये वे टैंक ठीक से चला नहीं पाए. बहुत वज़न के कारण ट्रकों के टायर फटने लगे और फिर ट्रक के पहिए रिम में फंस गए. मोटे राजा की घुड़सवार सेना भी बेकार थी!

मोटी सेना ने शेर और खाद्य मंत्री को अपने देश से बाहर खदेड़ा. उनके पीछे-पीछे मोटे सैनिकों के लिए भोजन से भरे ट्रक भी थे.

पर मोटे राजा की सेना की रफ़्तार इतनी धीमी थी कि शेर और खाद्य मंत्री को अपने लोगों को सूचना देने का काफी समय मिल गया.

जब मोटा राजा, उसकी सेना और भोजन से लदे हुए ट्रक वहां पहुंचे, तो भूखे जानवर उनके लिए पहले से ही तैयार थे.

इससे पहले कि मोटे सैनिक उन्हें रोक सकें,
भूखे जानवर खाने से लदे ट्रकों पर कूद पड़े.
मोटी सेना पर हर ओर से हमला हुआ.

तभी पक्षी सैकड़ों बीज लेकर वापस लौटे.

और साथ में तेज़ बारिश भी होने लगी.

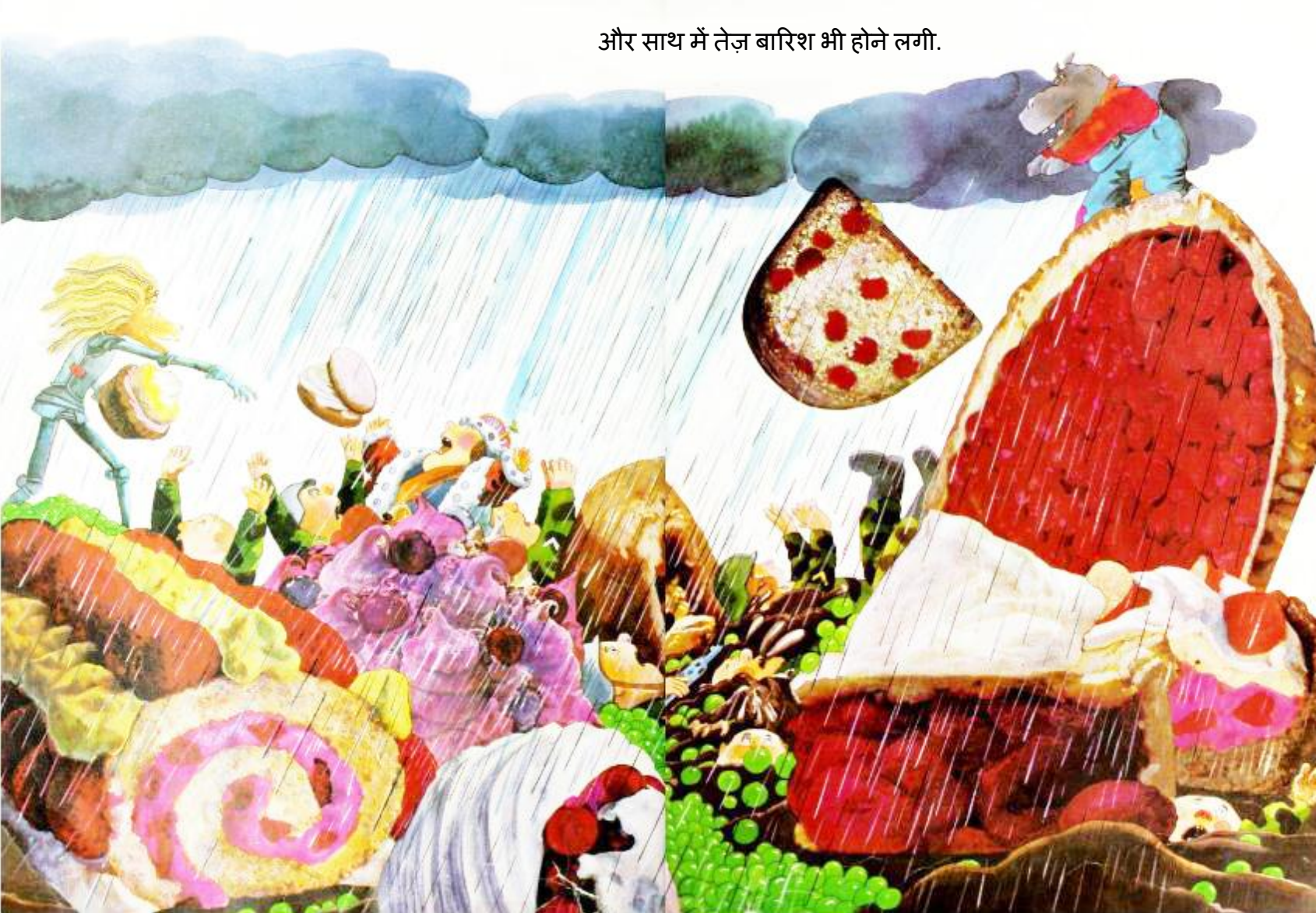

पृथ्वी कीचड़ में बदल गई और उससे मोटे सैनिक कीचड़ में चिपक गए.
"बहुत हो गया! बहुत बुरा हुआ!" मोटा राजा रोया. "हमारी मदद करो!"
"अब आपको खुद अपनी मदद करनी होगी," शेर ने कहा.
तभी एक स्ट्रॉबेरी क्रीम केक, हवा में उड़ता हुआ मोटे राजा से जाकर टकराया.
"आप अपनी सेना को खाना सप्लाई करने के तो बहुत इच्छुक थे, लेकिन आप एक भूखे देश के लोगों को खाना खिलाने की ज़हमत नहीं उठाना चाहते थे."

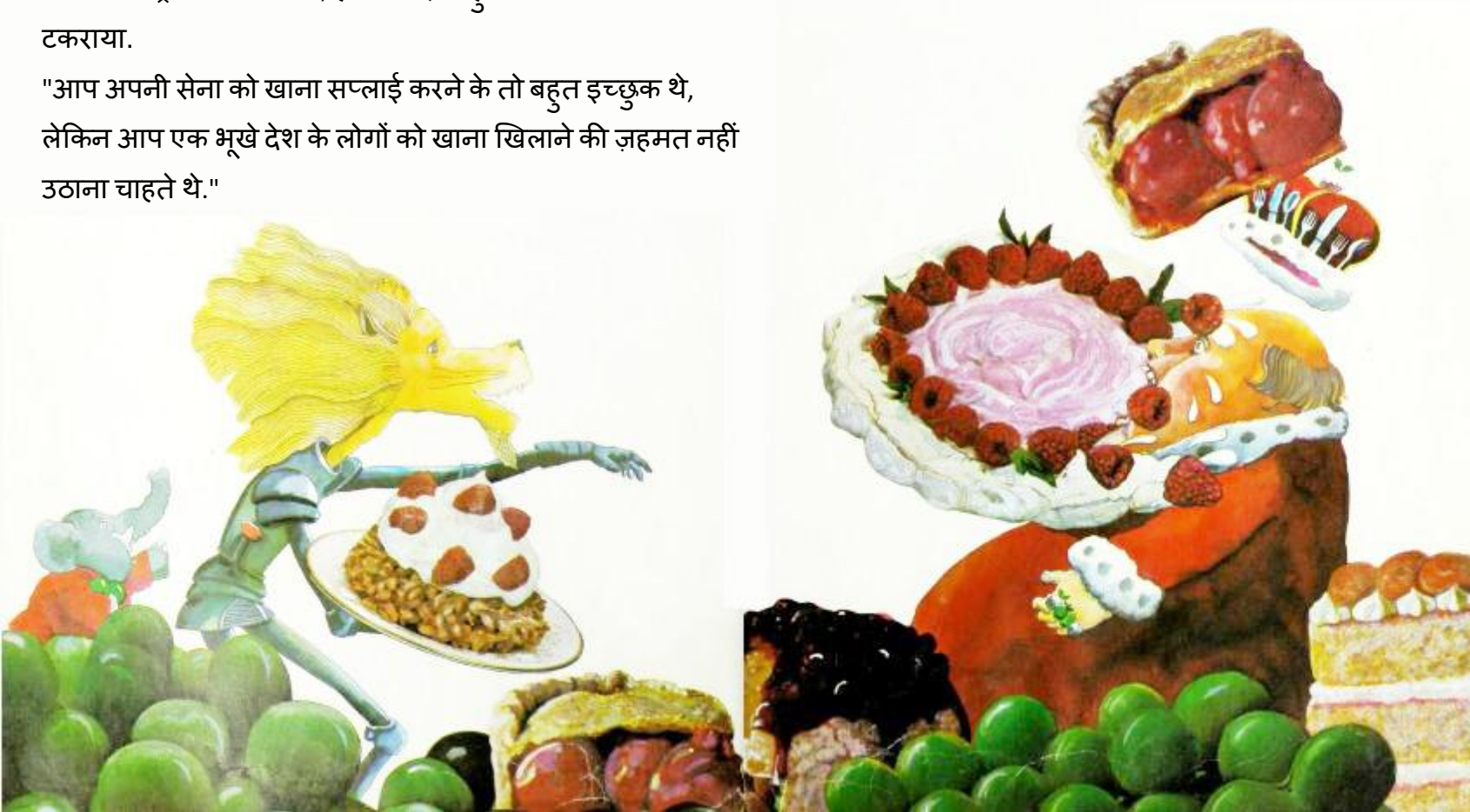

फिर शेर पराजित मोटे राजा को देखकर मुस्कुराया.

"लेकिन आपने वाकई में हमारी मदद की है," शेर ने कहा, "ज़रा हमारे खेतों को देखें. आपकी सेना के ट्रकों ने हमारी जमीन जोत डाली है, इसलिए अब वहां अच्छी तरह से बीज उगेंगे. फिर सभी के लिए बहुत अनाज पैदा होगा!"

"डकार।" मोटे राजा ने कहा.

"शांति (PEACE)!" शेर ने कहा.

"नहीं! नहीं!" मोटी राजा ने कराहते हुए,

"आप कभी भी मटर (PEAS) का उल्लेख न करें."

"शांति!" शेर ने दोहराया.

"इसके बारे में मैंने पहले कभी नहीं सुना," मोटे राजा ने कहा.

"उसे बनाने का नुस्खा क्या है?"

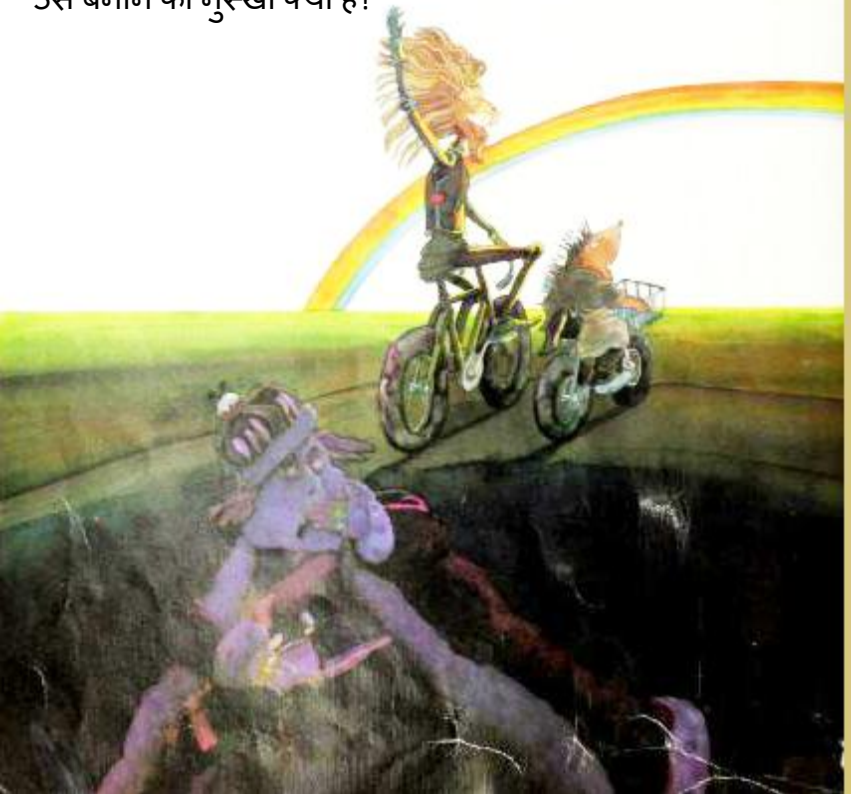

समाप्त